



श्री शिखुंभय - मुक्ति सम्यग्ज्ञान अभ्यासक्रम

C/o. शाह गोविंदजी वीरम, इंडस्ट्री कम्पाउन्ड, मोटा रोड, औरंगाबाद - ४३१ ००१

भास्कर ऑई जैनिक्रम - Type वर्ष : २०२०

♦♦♦ जवाब पत्र ♦♦♦

सत्र : नवम्बर

अनरोलमेन्ट नंबर

M. J.

गाम

हिन्दी

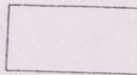
विद्यार्थीनुं नाम

प्रश्न-१ नी जवाब

- | | |
|-----------------------|--------------------|
| (१) प्रदेश प्रचयरूप | (१४) गुण-पर्याय |
| (२) आकाश | (१५) मानुषोत्तर |
| (३) काल-विभाग | (१६) शिल्प-आर्य |
| (४) अतिन्द्रिय | (१७) चर-ज्योतिष्य |
| (५) अनुभाव लोक स्वभाव | (१८) लोडान्तिक देव |
| (६) देड-पत्योपम | (१९) पुद्गल |
| (७) मध्यम लोक | (२०) आदिमान |
| (८) इकाई-रूप | (२१) अविकल्प |
| (९) अगुरु-लघु | (२२) चाक्षुष |
| (१०) नील-पर्वत | (२३) जैन दर्शन |
| (११) द्युति | (२४) अनपवर्तनीय |
| (१२) परमाधार्मिक देव | (२५) मेरु पर्वत |
| (१३) अंगुली-संख्या | |

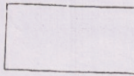
प्रश्न-२ नी जवाब

- | | |
|----------------------------|--------------------------|
| (१) पुद्गल के द्वारा | (१४) अहमिन्द्र |
| (२) अनित्यत्वरूप | (१५) अनादि-मिधम |
| (३) महत्तमः प्रभा | (१६) चेतना-शक्ति |
| (४) पारिणाद्य | (१७) उत्पाद-व्यय |
| (५) जीव-द्रव्य | (१८) धातकी खंड |
| (६) अनंत | (१९) आर्य देश |
| (७) महत्तर हजार वर्ष | (२०) आठवें |
| (८) नारकों के | (२१) मुहूर्त |
| (९) नडे मंडप जैसे | (२२) अलोक |
| (१०) शक्ति रूप | (२३) अमर्ष/असमुदाय रूप |
| (११) यक्ष का | (२४) प्रयोगज |
| (१२) वलयाकार/चूड़ी के समान | (२५) व्यंतर और ज्योतिष्य |
| (१३) आभरण में | |



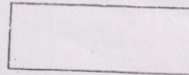
प्रश्न १-मेजवेब गुण

+



प्रश्न २-मेजवेब गुण

=



कुल गुण

रीमार्क

तपासनाली सही